8.7.24

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHANDIGARH

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('चित्रलेखन' पृष्ठ-153)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम पुनः 'चित्र-वर्णन' करना सीखेंगे। चित्र-लेखन विषय आपकी हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा के पृष्ठ- पर दिया गया है। यह कराया गया कार्य अर्थात् पूर्व निर्धारित किया गया कार्य आपको 8.जुलाई,24 को भेजा जा रहा है।

87

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ- खोलें और चित्रलेखन करने से पहले उनको कुछ लेखन संबंधी जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सब बच्चे ध्यान से चित्र को देखेंगे, समझेंगे व लिखने का प्रयास करेंगे।

बच्चो! आपने देखा होगा कि जब हम किसी चित्र को देखते हैं तो उसे देखकर हमारे मन में विभिन्न प्रकार के भाव उत्पन्न होते हैं। अपने इन भावों को हम प्रभावशाली ढंग से लेखनी के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं या व्यक्त करते हैं। यही चित्र-वर्णन का उद्देश्य है। इसी को चित्र-वर्णन या चित्र-लेखन कहते हैं।

चित्र-वर्णन करते समय हमें कुछ खास बातों को ध्यान में रखना चाहिए :-

(पृष्ठ-1)

Tutorial

Scanned with CamScanner

8.7.24

Pg 2 D+

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण ('चित्र-वर्णन' पृष्ठ-153)

* चित्र को देखकर घटना को समझने का प्रयास करना चाहिए।
* चित्र में दिखाई दे रही वस्तुओं व पात्रों को अपने मस्तिष्क में बिठा लेना चाहिए और लिखते समय उनका वर्णन करना चाहिए।
* चित्र-वर्णन की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
* अपनी कल्पना शक्ति का प्रयोग करके उसे रचना अथवा लेख का रूप देना चाहिए।
* वाक्य रचना करते समय मुहावरों, सूक्तियों व लोकोक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है।
* चित्र वर्णन करते समय विराम-चिह्नों का भी उचित प्रयोग करना चाहिए।

बच्चो, चित्र-वर्णन करते समय इन सब बातों को ध्यान में रखना। अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ लेती हूँ-

प्र०-1. चित्र-वर्णन किसे कहते हैं?
प्र०-2. चित्र-वर्णन की भाषा कैसी होनी चाहिए?
प्र०-3. वाक्य-रचना करते समय किसका प्रयोग करना चाहिए?

बच्चो, इन पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं-

उत्तर-1. किसी चित्र को देखकर मन में उठने वाले

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

8.7.24

Pg 3 D+

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (चित्र- वर्णन) पृष्ठ-153

भावों को लिखना चित्र-वर्णन कहलाता है।
उत्तर- 2 चित्र- वर्णन की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
उत्तर- 3 वाक्य रचना करते समय मुहावरों, सूक्तियों व लोकोक्तियों का प्रयोग करना चाहिए।
बच्चो! अब मैं आपको एक चित्र दे रही हूँ, जिसका वर्णन आप अपनी हिन्दी की अभ्यास- पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य:- सब बच्चे इस चित्र को ध्यान से देखें और मन में उठ रहे भावों को अपनी लेखनी के माध्यम से अपनी हिन्दी व्याकरण की अभ्यास- पुस्तिका में लिखें। लिखाई सुंदर होनी चाहिए।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner